



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 1
PART III—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

17/5/87

सं० 6]
No. 6]

नई दिल्ली, बुधवार, मार्च 12, 1987/फाल्गुन 21, 1908
NEW DELHI, THURSDAY, MARCH 12, 1987/PHALGUNA 21, 1908

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as
a separate compilation

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज. नागपुर

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

नागपुर, 3 मार्च, 1987

निर्देश सं. आय. ए. सी./ए. सी. क्यू./4/17/86-87.—यतः मुझे
ए. के. जेन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के
अधीन सूत्रम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति जिनका उचित मूल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी
सं. नमूल प्लॉट नं. 78 मौजा लेन्डा, मिटो सर्वे नं. 1066, शीट
नं. 52/14 है, जो फार्मलेण्ड, रामदासपैठ, नागपुर में स्थित है (और
उसके उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय नागपुर डाकघर संख्या-22547 रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908, (1908 का 16) के अधीन है जो 2-6-1986
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरिती की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल
से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई आय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें
भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या
उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का
27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त
अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित
व्यक्तियों, अर्थात् —

1. श्री रमेश छाबलदास मिरपुरी
2. श्री लालचन्द्र छाबलदास मिरपुरी निवासी रामदासपैठ, नागपुर
अन्तरक

1. श्री गजानन केशव पेंडारकर
2. श्री यशवंत केशव पेंडारकर
3. श्री जयंत केशव पेंडारकर
4. श्री सुमंत केशव पेंडारकर
5. श्री अशोक केशव पेंडारकर सभी द्वारा बिको सेबोरेटरीज, 25,
जेरुसाई बाड़ीया रोड परेल, बंबई सभी निवासी 78, फार्मलेण्ड,
रामदासपैठ, नागपुर

प्रतिलिपि

का रू. 1000 करी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित से किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें आयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में किया गया है।

अनुसूची

महानगर पालिका मकान नं. 84, नमूल प्लॉट नं. 78, गिटी सुबे नं. 1066 चालता नं. 98, शीट नं. 52/14, फार्मलैंड, रामदासपेठ नागपुर में स्थित है। प्लॉट नं. 78, अनुसूचित निम्नलिखित है।

1. उत्तर में—प्लॉट नं. 79 जिसके मालीक श्री मिचानिया हैं।
2. दक्षिण में—ग्राम रास्ता है।
3. पूरव में—प्लॉट नं. 77 जिसके मालीक श्री एम. एस. नन्धुनजिया हैं।
4. पश्चिम में—प्लॉट नं. 96 जिसके मालीक श्री सबरवाल हैं।

ए. के. जैन, सक्षम अधिकारी

तारीख: 3-3-1987

मोहर

सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नागपुर।

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX : ACQUISITION

RANGE : 3RD FLOOR, SARAF CHAMBERS, SADAR, NAGPUR

Notice Under Section 269-D(I) of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961)

Nagpur, the 3rd March, 1987

No. IAC/ACQ/4/17/86-87.—Whereas I, A.K. Jain being the Competent Authority under Sec. 269B/269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act'), have the reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Nazul Plot No. 78, Mauza Lendra, City Survey No. 1066, Sheet No. 52/14, Farmland, Ramdaspath, Nagpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office or in this office at Nagpur on 2nd June, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have the reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of :

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269-D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Mr. Ramesh Chhabaldas Mirpuri,
- (2) Mr. Lalchand Chhabaldas Mirpuri All r/o Ramdaspath, Nagpur Transferor
- (1) Mr. Gajanan Keshao Pendarkar
- (2) Mr. Yeshwant Keshao Pendarkar
- (3) Mr. Jayant K. Pendarkar
- (4) Mr. Sumant K. Pendharkar
- (5) Mr. Ashok K. Pendharkar all C/o Vicco Laboratories, 25 Jeebhai Wadia Road, Parcel Bombay now at 78, Farmland, Ramdaspath, Nagpur, Transferee

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

Explanation.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter-XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Corporation House No. 84, Nazul plot No. 78, City Survey No. 1066, Chalta No. 98, Sheet No. 52/14, Farmland, Ramdaspath, Nagpur Plot No. 78 is bounded as under :

Towards North—by plot No. 79 own by Mr. Singhania

Towards South—Public road

Towards East—by plot No. 77 owned by Mr. M. S. Nanjundiah

Towards West—by plot No. 96 owned by Mr. Sabharwal.

Date : 3-3-1987.

Seal :

A. K. JAIN, Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,
Nagpur.